जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

8 सितंबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 3 विस्तार व्याख्यान आयोजित किए

प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा और विस्तार विभाग (डीएसीईई), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने आज 8 सितम्बर को पर विश्व स्तर पर मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 'कोंटेक्सचुअलाइज़िन्ग लिटरेसी' विषय पर 3 ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया।

साक्षरता को सभी दृष्टिकोणों से देखने के उद्देश्य से व्याख्यान आयोजित किए गए थे। डीएसीईई की विभागाध्यक्ष, डॉ शिखा कपूर ने व्याख्यान आयोजित और संचालित किए।

स्टेट रिसोर्स सेंटर, जामिया की पूर्व निदेशक और इस वर्ष के टैगोर साक्षरता पुरस्कार-2021 की प्राप्तकर्ता श्रीमती निशात फारूक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थीं। विस्तार व्याख्यान में प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम के दिग्गजों ने भाग लिया। डॉ. वी. मोहन कुमार, सुश्री कल्पना कौशिक, श्रीमती वीना महाजन भारतीय प्रौढ़ शिक्षा एसोसिएशन (आईएईए) से जुड़ीं। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. डीडी अग्रवाल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुलाम मुरसलीन और कई प्रोफेसरों ने भी इस अवसर पर शिरकत की। व्याख्यान में भारत भर के विश्वविद्यालयों और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शोध विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया।

पहला विस्तार व्याख्यान भारत की साक्षरता के सात दशकों पर था और इसे सुश्री अरुणिमा चौहान, रिसर्च स्कॉलर, डीएसीईई द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस व्याख्यान में साक्षरता के सामने आने वाले विभिन्न माइलस्टोन, मुद्दों और चुनौतियों की जांच की गई। विभाग की छात्रा रमशा नुसरत ने प्रस्तुतकर्ता का परिचय कराया।

'रुरल लिट्रेसी इन इंडिया-वे फॉरवर्ड' पर दूसरा विस्तार व्याख्यान विभाग के एक रिसर्च स्कॉलर राम प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान ने सूक्ष्म रूप से पूरे भारत में साक्षरता में व्याप्त ग्रामीण असमानताओं की जांच की। विभाग की छात्रा सुश्री दुर्दाना तहसीन ने प्रस्तुतकर्ता का परिचय कराया।
तीसरे विस्तार व्याख्यान में आजकल चल रही महामारी के वर्तमान मुद्दे को साक्षरता के संदर्भ में शामिल किया गया। सुश्री हिमांशी शर्मा, रिसर्च स्कॉलर, डीएसीईई ने भारत में 'कोविड 19 एंड लिटरेसी इन इंडिया' पर अपना विस्तार व्याख्यान दिया और सेमेस्टर III, एमए डेवलपमेंट एक्सटेंशन के छात्र गौरव जोशी द्वारा उनका परिचय करवाया गया।

प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रस्तुति से संबंधित विचार-विमर्श तथा प्रश्नोत्तर भी किए गए। विस्तार व्याख्यानों ने इस पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की कि हम अब तक कहाँ पहुँचे हैं और कहाँ लड़खड़ाए हैं। जिसने भारत में साक्षरता हासिल करने के लिए आगे का रास्ता तलाशा और सुझाव भी दिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया